

1564

SEAN'S FHSV

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



काय (गर्वयुर्वव) ॥ ३ ॥ ॐ अर्जुन अर्जुन स कं गायकारु न वायव्ये सुवी गकि सः
 हिताय कदम्बवृ काय (गर्वयुर्वव) ॥ ४ ॥ ॐ अर्जुन अर्जुन स कं गायकारु न वायव्ये सुवी गकि सः
 यतं वा नाही गकि सहिताय निम्बवृ कायति युर्वव ॥ ५ ॥ ॐ अर्जुन अर्जुन स कं गायकारु न वायव्ये सुवी गकि सः
 कया लहे न वायव्ये सुवी गकि सहिताय क न ऊवृ काय युर्वव ॥ ६ ॥ ॐ अर्जुन अर्जुन स कं गायकारु न वायव्ये सुवी गकि सः
 कासक कं गायली वलहे न वायव्ये सुवी गकि सहिताय सुवृ काय युर्वव ॥ ७ ॥ ॐ अर्जुन अर्जुन स कं गायकारु न वायव्ये सुवी गकि सः
 ॐ अर्जुन अर्जुन स कं गायकारु न वायव्ये सुवी गकि सहिताय गं महल सुवी गकि सहिताय गं ये सुवी कायः
 यागिना गण सहिताय सुवी गं गण यानि वा नाय ॐ दं मया प्रयधूय दीययू जाय (थ)

यानि तं वलि गृह २ मम सर्व धि सिद्धि यय कृत्वा ॥ ॐ ति य या गा दि ॥
 ॐ अर्जुन अर्जुन स कं गायकारु न वायव्ये सुवी गकि सहिताय कदम्बवृ
 य यागिना वृ न सहिताय सा मय मगण यानि वा नाय ॐ दं मया प्रयधूय दीययू जाय (थ)
 यमलिवलि सहिताय वलि गृह २ मम सर्व धि सिद्धि यय कृत्वा ॥ ॐ अर्जुन अर्जुन स कं गायकारु न वायव्ये सुवी गकि सः
 कं गाय नृ नृ न वायव्ये सुवी गकि सहिताय उदम्बवृ काय (थ) ॥ २ ॥ ॐ अर्जुन अर्जुन स कं गायकारु न वायव्ये सुवी गकि सः
 उदुं दवी काल कं गाय नृ नृ न वायव्ये सुवी गकि सहिताय (ग) कं सुवी कायति
 ॥ ३ ॥ ॐ अर्जुन अर्जुन स कं गायकारु न वायव्ये सुवी गकि सहिताय निम्बवृ

इकायूजयामिवलिगृह २ इह ॥ साहा ॥ १ ॥ ॐ नमो श्रीगणेशाय नमः नमः ॥
नीय नाम्ना देवी श्रीया ॥ २ ॥ ॐ नमो देवीयै नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नीय नाम्ना देवी
श्रीया ॥ ३ ॥ ॐ नमो देवीयै नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नीय नाम्ना देवी श्री
या ॥ ४ ॥ ॐ नमो देवीयै नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नीय नाम्ना देवी श्रीया ॥
५ ॥ ॐ नमो देवीयै नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नीय नाम्ना देवी श्रीया ॥
६ ॥ ॐ नमो देवीयै नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नीय नाम्ना देवी श्रीया ॥
७ ॥ ॐ नमो देवीयै नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नीय नाम्ना देवी श्रीया ॥
८ ॥ ॐ नमो देवीयै नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नीय नाम्ना देवी श्रीया ॥
९ ॥ ॐ नमो देवीयै नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नीय नाम्ना देवी श्रीया ॥
१० ॥ ॐ नमो देवीयै नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नीय नाम्ना देवी श्रीया ॥

नामिवयुतासनयायू ॥ ततम ॥ ॐ नमो देवीयै नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नीय नाम्ना देवी श्रीया ॥
य नाम्ना देवी श्रीया इकायूजयामिनमः ॥ ३ ॥ ॐ नमो देवीयै नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नीय नाम्ना देवी श्रीया ॥
नविगार्या नयालमगुलयी ॥ यक्षिकासमाय ॥ ४ ॥ ॐ नमो देवीयै नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नीय नाम्ना देवी श्रीया ॥
नजयय ॥ बालसनासमय ॥ धनिया ॥ यनमार ॥ दीनयसजा ॥ नमो देवीयै नमः नमः ॥ नीय नाम्ना देवी श्रीया ॥
दिवा ॥ वक्रायली देवी ॥ ॐ नमो देवीयै नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नीय नाम्ना देवी श्रीया ॥
वनकुंजालाययायू ॥ १ ॥ ॐ नमो देवीयै नमः नमः ॥ नमः नमः नमः ॥ नीय नाम्ना देवी श्रीया ॥
उमार ॥ यवाकजा ॥ यवावाही ॥ जहाददीवा ॥ माहेश्वरी देवी ॥ ॐ नमो देवीयै नमः नमः ॥ नीय नाम्ना देवी श्रीया ॥

न नादवीश्रुतिधन कण्ठ्यालाययायू॥वलि॥ २ ॥ सूत्रोक्तं॥ यागलीस्नान॥ प्रसलासमय॥
 ममनया॥ उन्नुविमार्॥ नतगिलियाकजा॥ माववाहि॥ यवानदकि॥ कीमावीदवी॥ पुञ्च
 कालागिनिदुर्गमि कण्ठ्यालाययायू॥वलि॥ ३ ॥ वलिखादु॥ मलिस्नान॥ वनव
 नलासमय॥ यानया॥ लङ्गवामार्॥ खिचलिजा॥ कण्ठुलिवाहि॥ मृतिदमिदकि॥ विष्टवा
 दवी॥ मनु॥ ३॥ ५॥ अङ्गदहास कण्ठधनद कण्ठ्यालाययायू॥वलि॥ ४ ॥ तर्नङ्गदु॥ डिः
 तहालस्नान॥ यानु॥ कदासमय॥ स्वधया॥ वतामार्॥ स्वधावाकजा॥ मासवाहि॥ हिनदकि
 ॥ वावाहीदवी॥ मनु॥ ३॥ ५॥ अङ्गदयनि कण्ठविगम कण्ठ्यालाययायू॥ ५ ॥ आसयि

कण्ठ॥ नृयस्नान॥ यानसलासमय॥ उतिवा॥ खालायमार्॥ वायसजा॥ कनरवाहि॥ मानिः
 कदकि॥ ॥ नृयलीदवी॥ मनु॥ ३॥ ५॥ अङ्गदयनि कण्ठवदनाथ कण्ठ्यालाययायू॥वलि॥
 ॥ ५ ॥ नवलिङ्ग कण्ठ॥ डिनिस्नान॥ लङ्गदहासमय॥ रिधया॥ सामार्॥ धनिष्टसजा॥
 म्नातवाहि॥ नावतदकि॥ वामुङ्गदवी॥ मनु॥ ३॥ ५॥ अङ्गदयनि कण्ठविकुनीदवी क
 ण्ठ्याययायू॥वलि॥ ॥ ५ ॥ विनगम कण्ठ॥ येनमालि स्नान॥ इलाडवासमय॥ इद
 या॥ यलिमार्॥ विविगुलाजा॥ कावाहि॥ खानदकि॥ महाल आदवी॥ मनु॥ ३॥
 अङ्गदवीकार कण्ठदुर्ग कण्ठ्यालाययायू॥वलि॥ ॥ ५ ॥ मधवाको कण्ठ॥ दिगमाला

स्नान ॥ लाढा समय ॥ यउमयानया ॥ ६०० विमोट ॥ कीनयसजा ॥ लायुहामलवीहि ॥ य
 धनननदकि ॥ यनायनकुडिकादवा ॥ मनु ॥ ॐ ॥ योनेनदीयधमदिवा महाकाय कउ
 या लाययादुकायूजयामि ॥ नवंवलि ॥ १० ॥ काविनायक ॥ ॐ ॥ कलपूठमलयतिना
 थाययायू ॥ वलि ॥ १० ॥ वदकवलि ॥ ॐ ॥ योदवायूवदक ॥ नाथाययायू ॥ वलि ॥
 ११ ॥ ॐ ॥ निनयालम ॥ ध्याय ॥ ॐ ॥ निविधि ॥ समाधु ॥ क ॥ ॥ ॐ ॥ नमः ॥ श्रीमह
 लेनवाया ॥ ममनवलिवियविधान ॥ डयहानवसयइना ॥ लाययूतास्त ॥ याल्वयाट ॥ १ ॥ ज
 धयकरु ॥ २० ॥ १३ कउ ॥ धनविधिनमरुतसा ॥ स्वयावगुनेनगव ॥ स्वानयोत ॥ ५ ॥ नव

धनक ॥ यधननन ॥ नवनन ॥ ॥ लंजाहालावन ॥ रुनधनमउ ॥ ३३ ॥ कउतिमउ ॥ ३२
 ॥ यानुकाव ॥ २ ॥ लंजाव ॥ लामलकल ॥ ५ ॥ लानालहि ॥ ॥ मनुय ॥ ॥ गहुधुन ॥ योजा ॥ यध
 मृतावनन ॥ सिद्धन ॥ दुष्टि ॥ जजम ॥ स्नान ॥ कुरुयनाका ॥ ५ ॥ यधयनाका ॥ ५ ॥ सम
 लंकाकुजावनन ॥ ना ॥ नवद्य ॥ गउजा ॥ मलानवद्य ॥ समयलाढा ॥ धं ॥ खं ॥ ॥ खादं ॥ ॥
 कालरुसिद्ध ॥ १ ॥ काकुरुगान्वाक ॥ १ ॥ ३३ ॥ यलियादयक ॥ जूवावनयाग ॥ १ ॥ धनिददुसमा
 दका ॥ कायधुयकलनदक ॥ अर्थकाउसलिमला ॥ ॥ गगयातदकि ॥ ॥ धमकायमनन ॥
 म्याग ॥ मास ॥ ॥ ममनस ॥ यउवासननायाव ॥ याल्वलाय ॥ याल्वलंखमहाय ॥ जातयाव

यं न कतयकं आयमगहृष्टम् ॥ तज्ज्यादिनमर्धधनम् ॥ समर्कम् ॥ मिखा आदिन ॥ यत्न
धनम् ॥ वाचुयकउठिन ॥ इत्यथागयात्रकायनं ॥ लानमकुय ॥ दिलियाका नवयाव
॥ ॐ श्रद्धादिसुखार्थम् ॥ यथा राजनयावक ॥ इयमानन ॥ आवायेन सुखार्थम् ॥
असमे लुलुलाका नयादि ॥ गुन्नमस्तान ॥ आसनादि न्यासः ॥ जला र्थमात्रयुजा ॥ आसयू
जावदनादि ॥ नकाधवस्तु कवच ॥ न्यासः ॥ द्वादश ॥ मूलवत्तु ॥ मा ॥ तिलिनी ॥ गवनासी ॥
गन्धि ॥ वीजयस्तु ॥ कानवात्रा ॥ धनन्यासनेधवस्तु कवच धनवाव ॥ यिष्ठधरावन ॥ अर्घ्याव
कवावधरावन ॥ उज्ज्वली र्थवर्तन ॥ यथा मृग आदिन लरवमनुस्त्रान ॥ चतसिधन ॥ जजम

इष्टि ॥ कर्तुयताका ॥ स्नान ॥ रागा ॥ अश्वान ॥ नेवद्यत ॥ चतुर्वलिः ॥ ८॥ कादुसजुवखवत
॥ यथावलि ॥ आदिदव ॥ शिवलिः ॥ ॥ आधनादि अष्टवर्तिकारनः ॥ ८ ॥ उजमहा
युतासनयायु ॥ धन ॥ उजमहायुतासनावृष्टिस्तुगड ॥ १॥ कायति लाचनर्तु
मवर्धनाद्विनिनावृष्टि ॥ यिष्ठा कस्तु यिष्ठ कर्म मला कायमहादने ॥ आद्यवर्मावनीध
नी सिहवर्मा र्थनीयक ॥ नवमर्था किल कालनीय नादिविहविर्ग ॥ स्वप्नरुटकया
उज्ज्वली र्थवर्तन ॥ विष्टु र्थवर्तन ॥ उज्ज्वली र्थवर्तन ॥ उज्ज्वली र्थवर्तन ॥
कालर्त्तु नेवत्तुवनवर्तन ॥ ॥ नयर्थाय ॥ ॥ उज्ज्वली र्थवर्तन ॥ उज्ज्वली र्थवर्तन ॥

दालि गगन गगन नदलि वि वि समाये ४॥

॥ ॐ नमः श्रीमहादेव नवाय ॥ दि

[illegible][illegible]

श्रावनाम्ना अलिखितमिति मन्त्रवृत्ता गच्छ २२ ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 निवानसहिता गयया ज्ञातमहाभक्त्युत्तमादियता ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 यथाहाटकमेव नवा ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 हा ॥ योगान्तवलि ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नोदवीस ताकिखेयनिवानसहिता यदुद्धमहाभक्त्युत्तमादियता ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कामध्वनेमहाहेनवायथीकोमध्वनीयनाम्ना अलिखितमिति मन्त्रवृत्ता गच्छ २२ ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 धानडका रयायह ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 मरुतया लाय जाँडौ डूँछानृथयन शरुछा पुम्यन शरुछा अवतन २ वलि १०
 ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 दका विद्युना जक ४ यानि न वायुयुग्म्य हनिना हगयन को ॥ उच्छिन्न नाथक
 आणुवि नका ठाक ठाकिना ॥ वतालय दग भवत न विद्यु कालिका ॥ वल
 ग्रह यवा वा विवृद्धमेव वायक ग्रहा भगवता हा पुनिलान नासिनी रुनि ॥ १० ॥

३॥ ऐनकागलमाजादिदिग्दिग्वाहिनीगल॥४॥ नमस्तेननरुद्युतुहमेवता
कम्पति॥ ॐ नमोवालिदियविधाने४ समाक४॥ ॥ शुभ ॥

१॥ गुन॥ नमः॥ प्रथमीमहागलवतिपूजाविधानेतिख्यं॥ ॐ अथादिसर्वा
र्षकृत्वा॥ प्रथमं मलुताकालेति॥ गुनमस्कानक॥ ॐ गुनस्थानमः॥ नम
॥ गलमयनमः॥ ॐ गलवतयनमः॥ दक्षवामदक्षिणमध्वनमस्कृत्वा॥ ॐ जा
धनगकि कमलाहनायनमः॥ स्वासर्ग॥ ग४ अस्तुयद्॥ पृथ्वीकमाद्यायदिय०

॥ ॐ लोकववायद्॥ पृथ्वीकमिनसिनिधाय॥ ॥ कनापुलिंकुवाच्यमः॥ ॐ ॐ
ॐ गलकजप्रयनमः॥ निवसि॥ ॥ रुद्रकालीकृत्यनमः॥ मुख॥ गीमहागलवतिदि
वतायेनमः॥ ॐ ॐ गीमहागलवतिदि॥ ॐ ॐ गीमहागलवतिदि॥ ॐ ॐ गीमहागलवतिदि॥
कृत्यविधायाध्वनामविनिधायः॥ नमस्कृत्वा॥ ॐ गीमहागलवतिदि॥ ॐ गीमहागलवतिदि॥
स्वाहा॥ ॐ गीमहागलवतिदि॥ ॐ गीमहागलवतिदि॥ ॐ गीमहागलवतिदि॥ ॐ गीमहागलवतिदि॥
कायकृत्वा॥ ॐ गीमहागलवतिदि॥ ॐ गीमहागलवतिदि॥ ॐ गीमहागलवतिदि॥ ॐ गीमहागलवतिदि॥
महागलवतिदि॥ ॐ गीमहागलवतिदि॥ ॐ गीमहागलवतिदि॥ ॐ गीमहागलवतिदि॥ ॐ गीमहागलवतिदि॥

[illegible]

उत्तम... ॥ १५ ॥
संख्या ॥ १५ ॥

आशा नरकवा
1.564

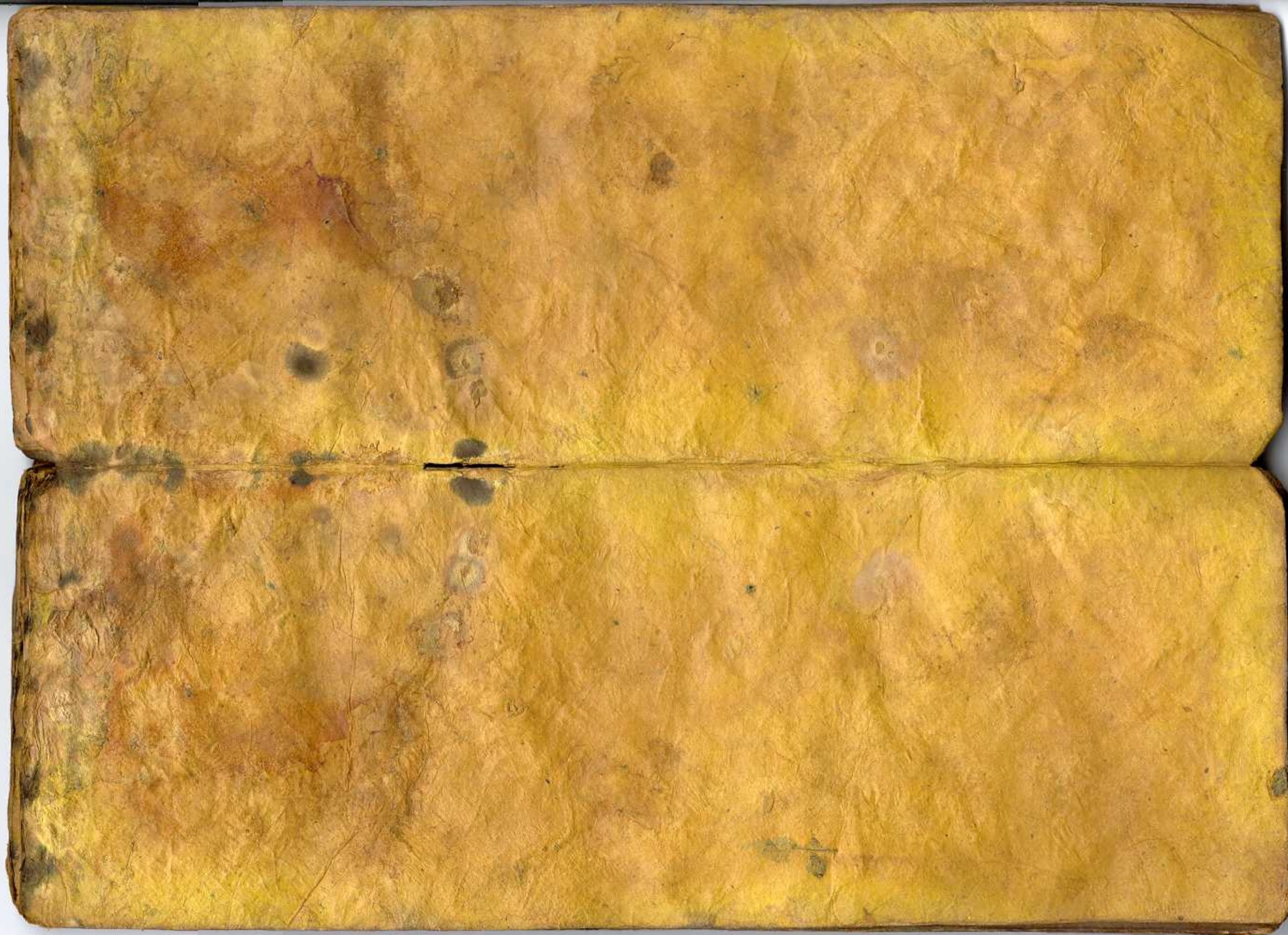
ASIA ARCHIVES



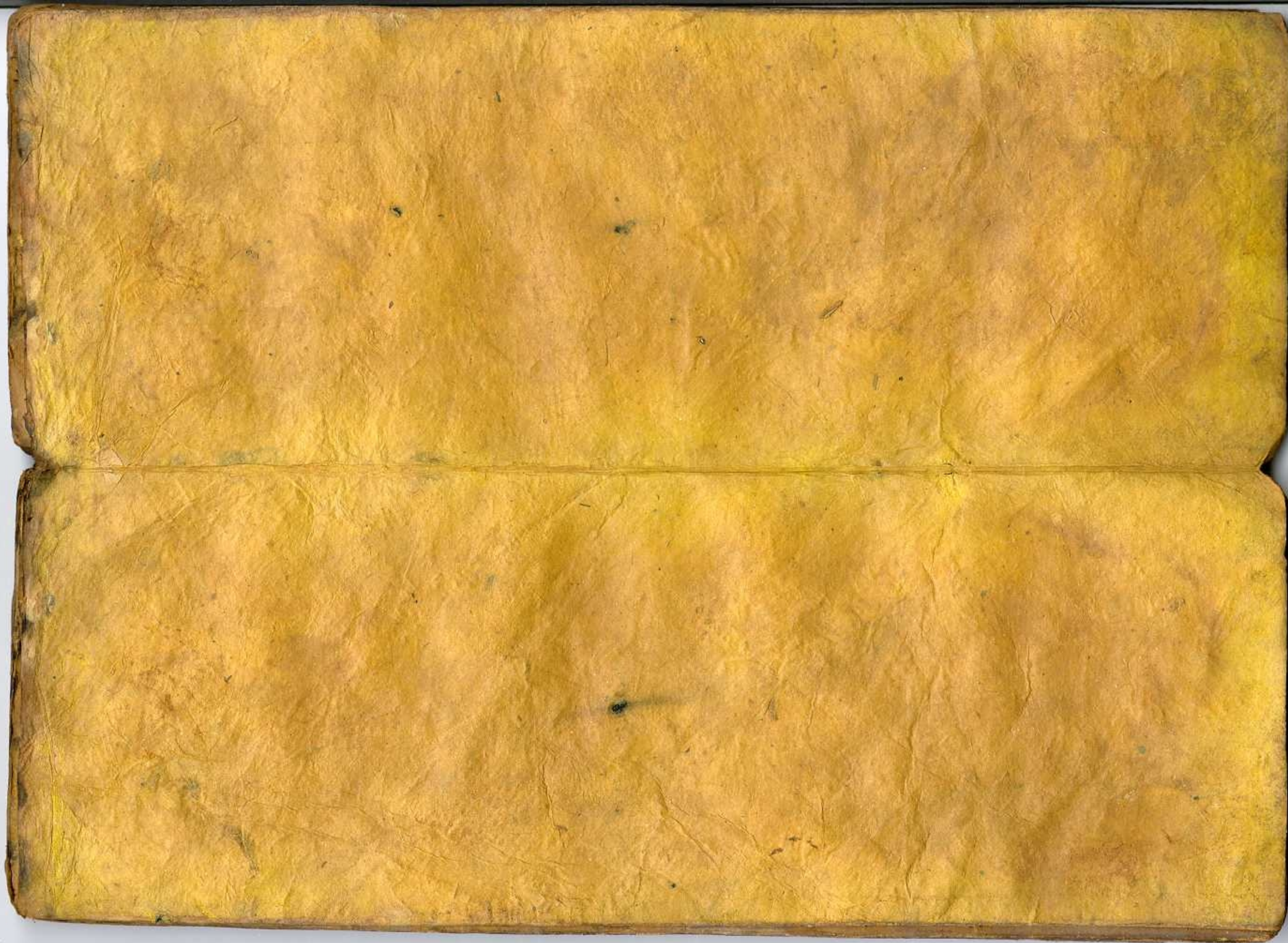


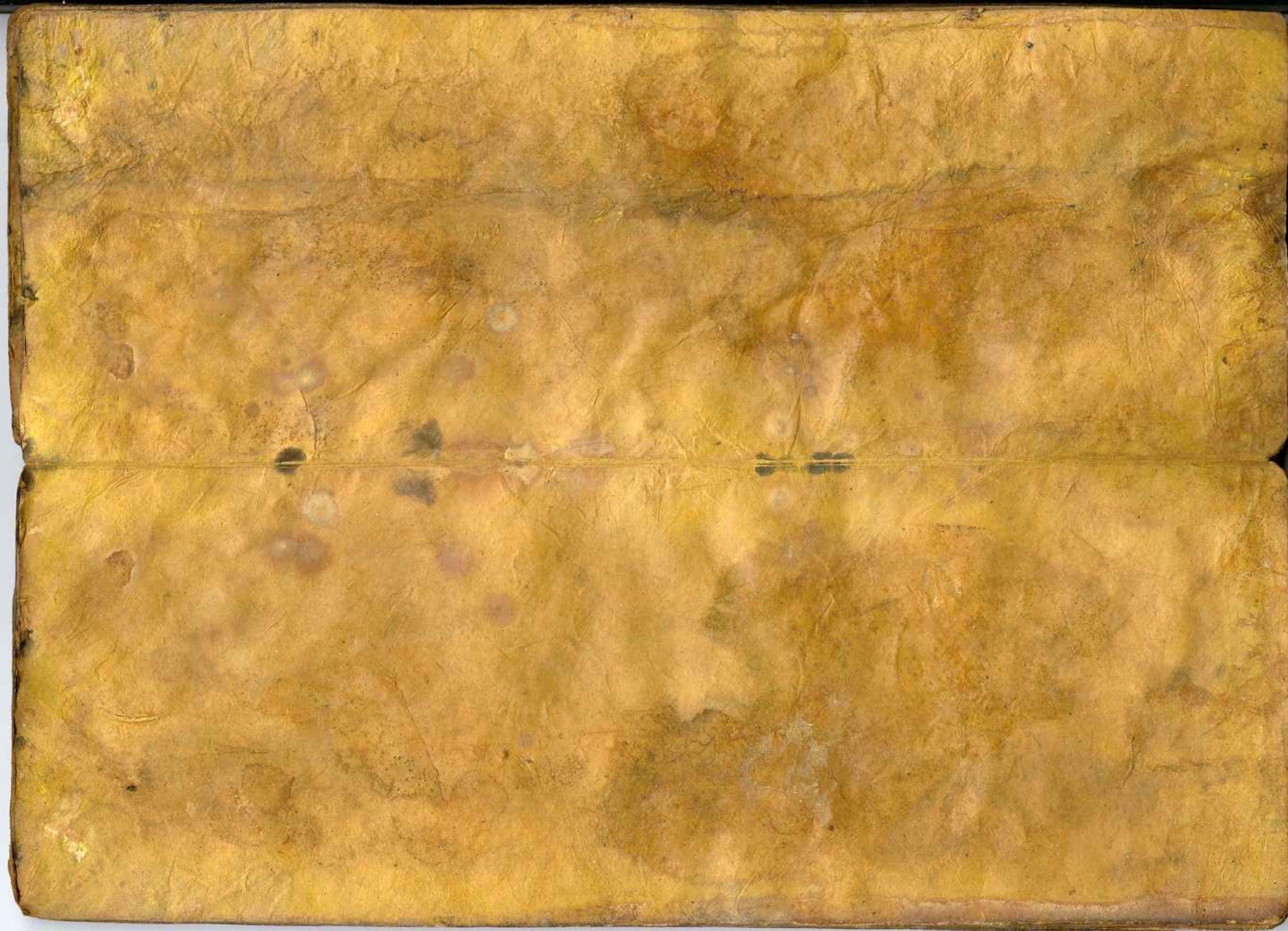


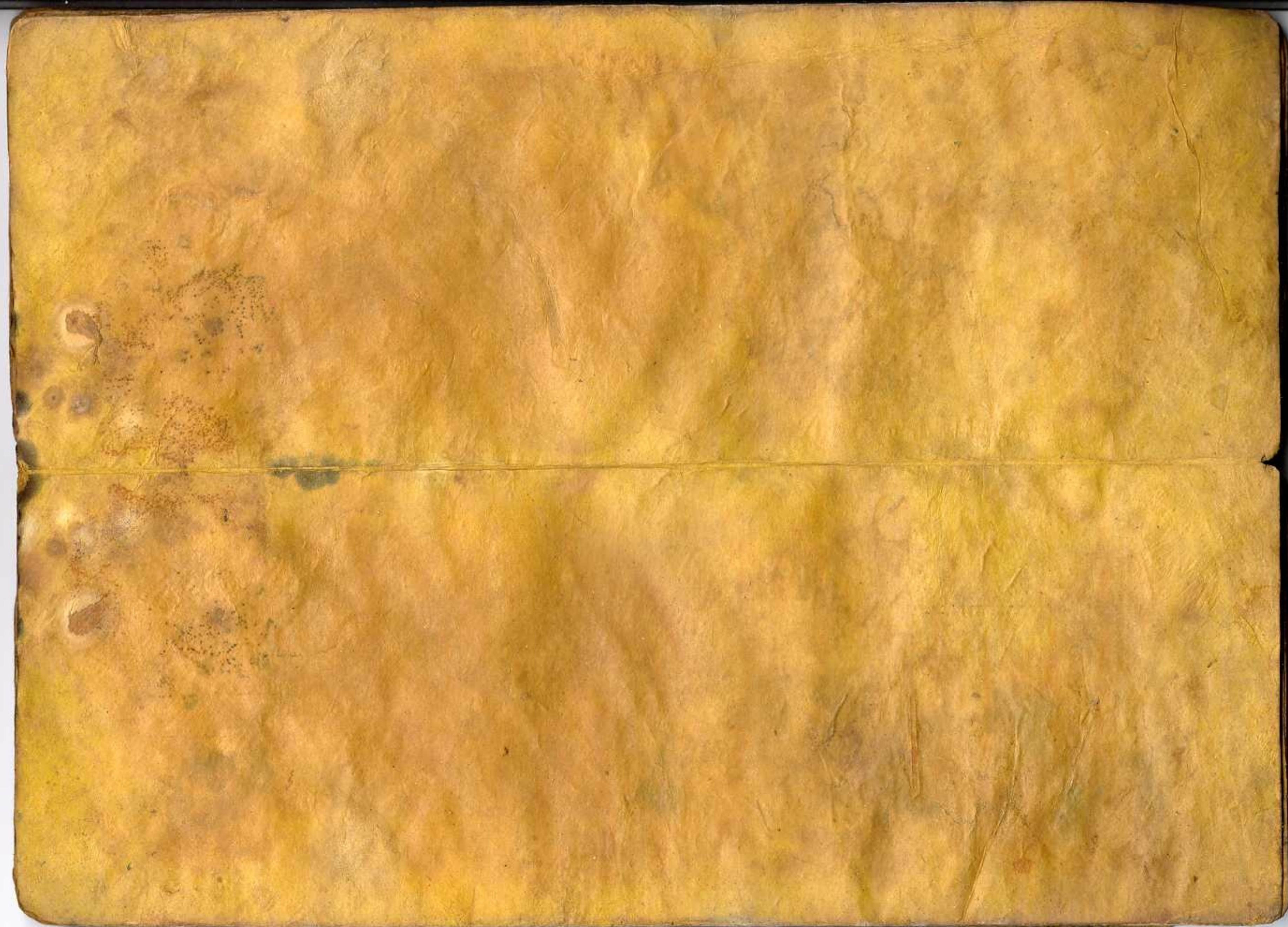


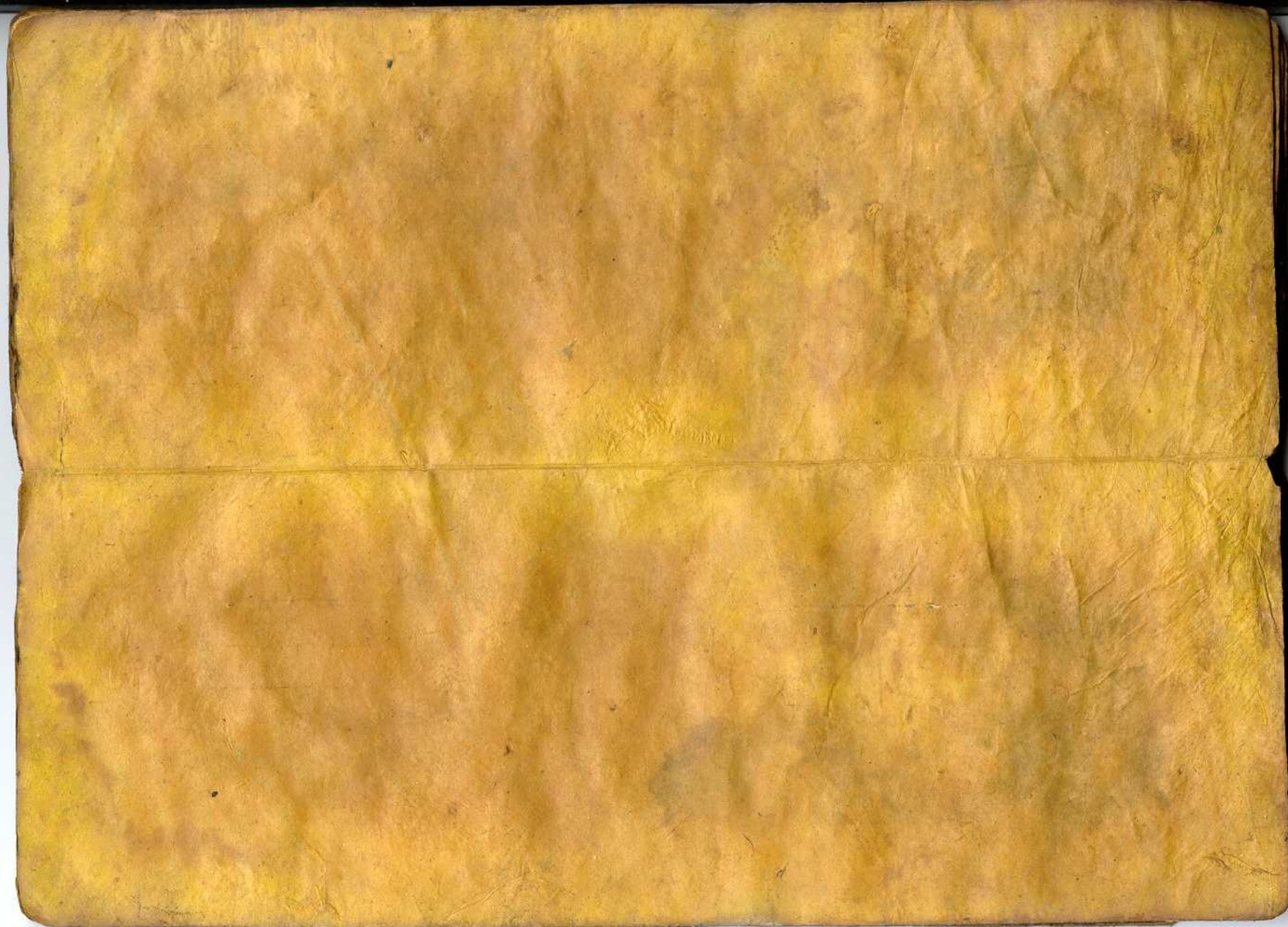




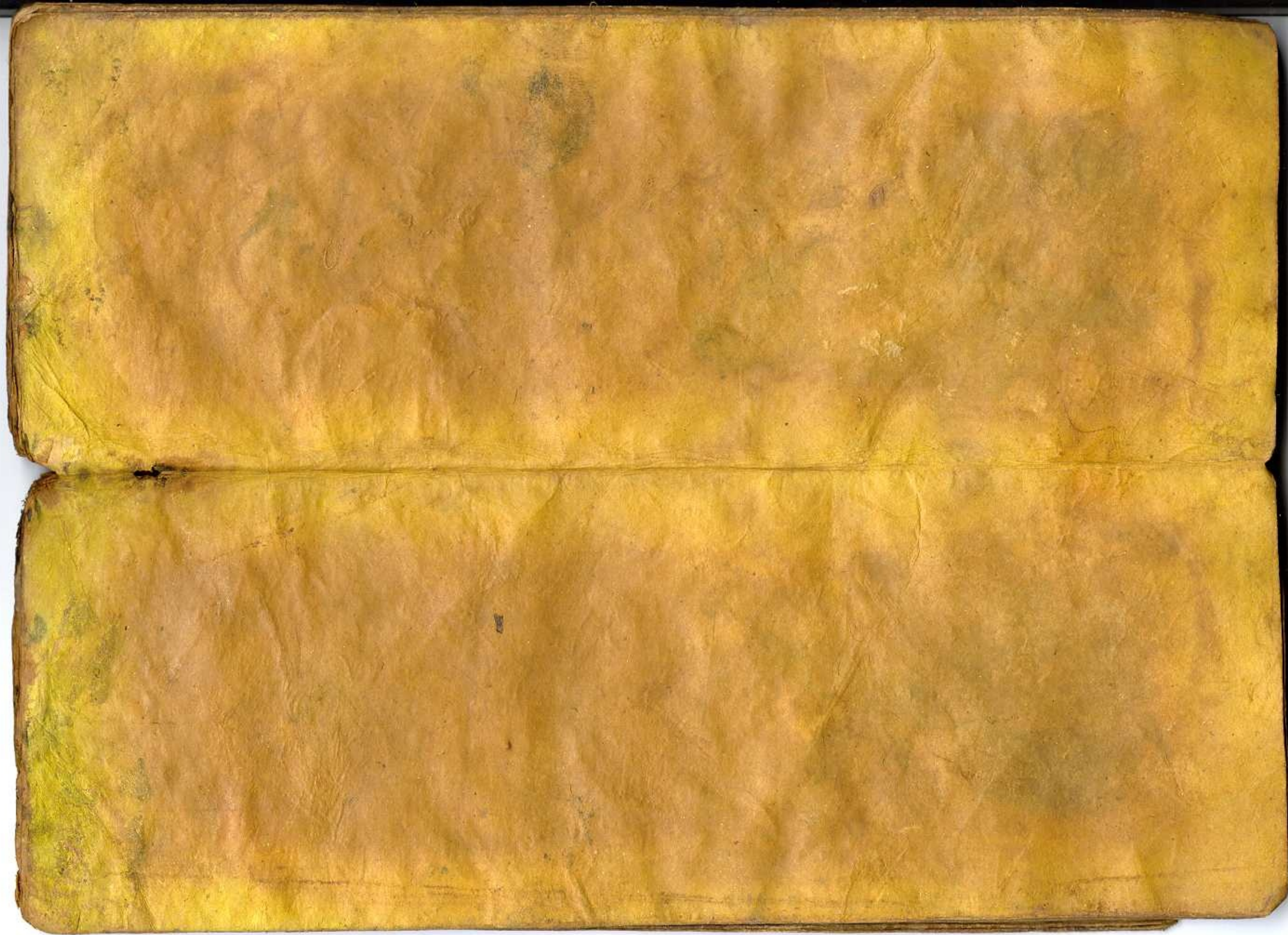




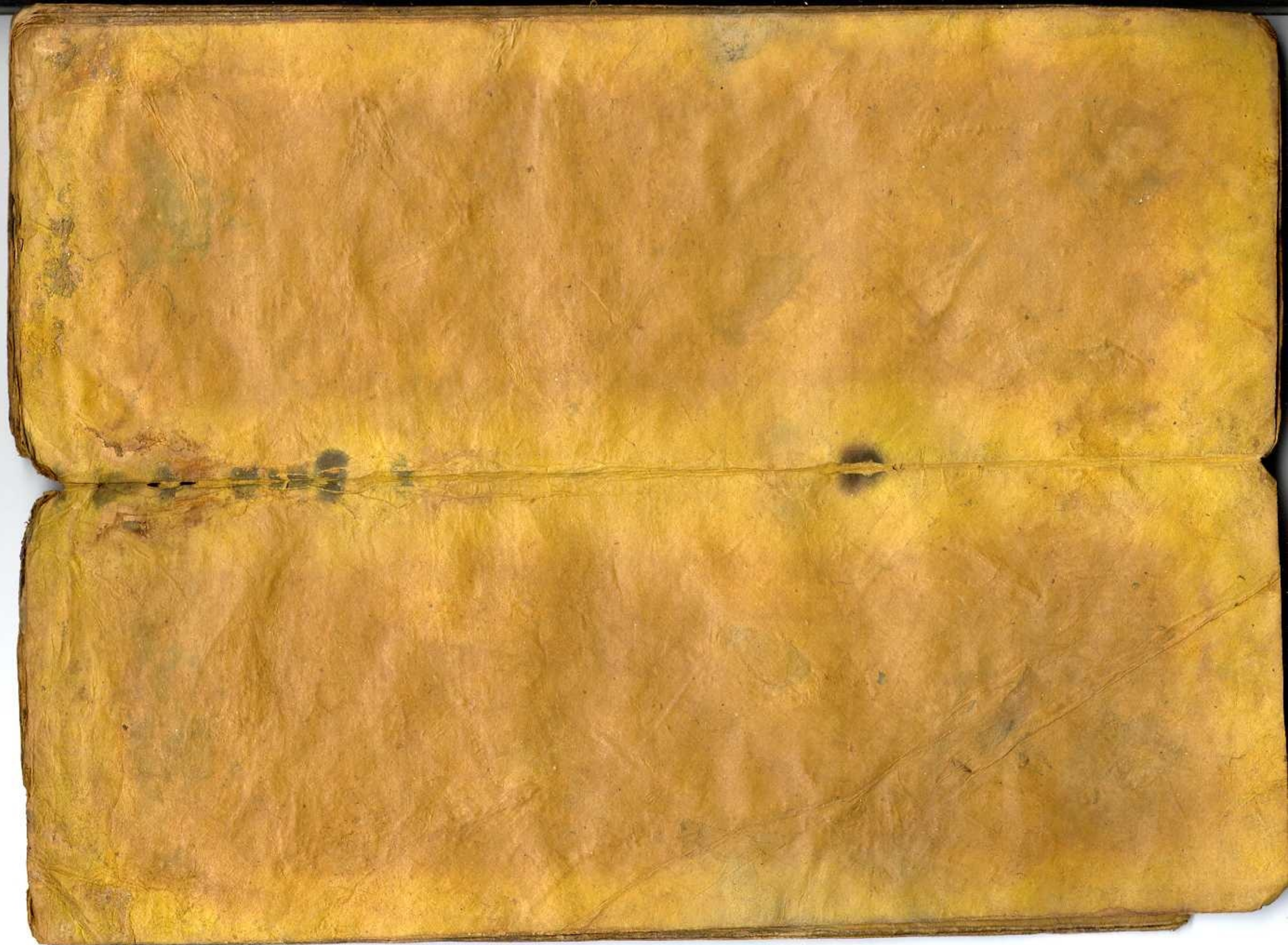








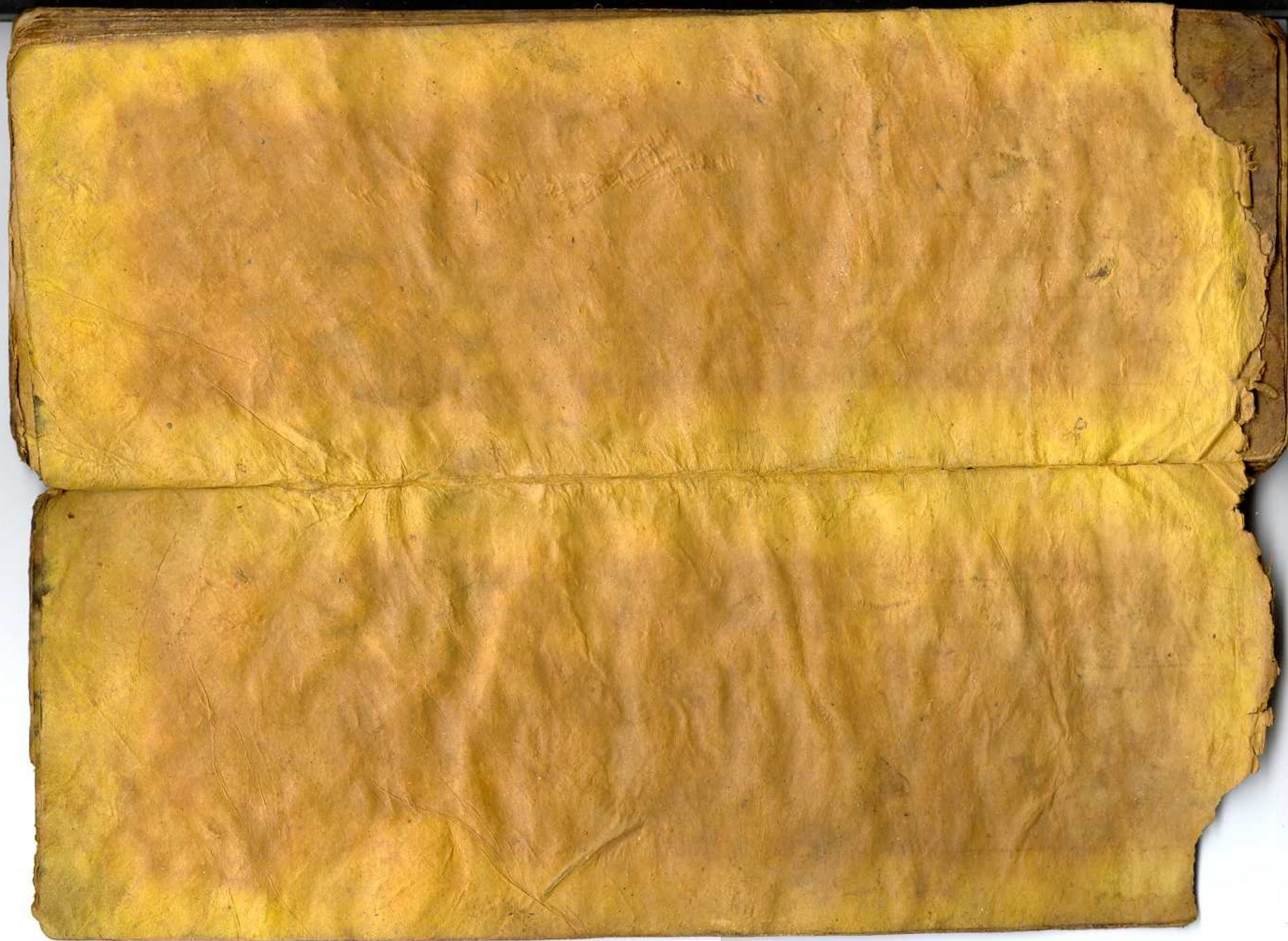


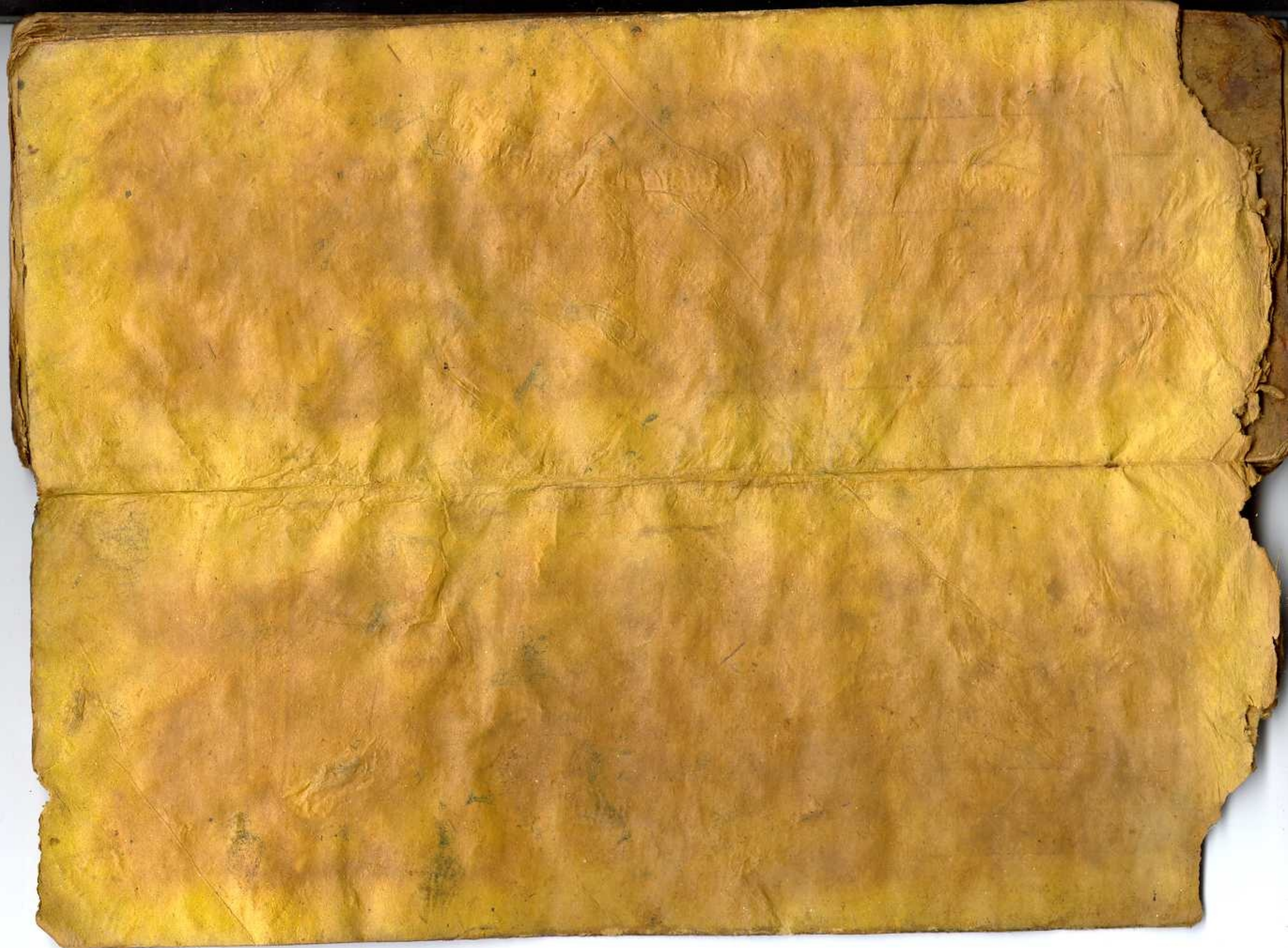




ॐ नमो भगवते वासुदेवाय कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण ॥ ४ ॥
म नमो भगवते वासुदेवाय कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण ॥
कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण ॥









ASHA
1.564
S

ASHA
S